LOK SABHA

Wednesday, May 14, 1969/Vaisakha 24, 1891 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

MEMBER SWORN

1. SHRI S. K. PATIL—(Banaskantha—Gujarat)

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

हांगकांग के मार्ग से चीन को भारतीय अभ्रक का पुनर्निर्यात

+

*1682. श्री बृज भूषण लाल :
श्री रणजीत सिंह :
श्री रामगोपाल शालवाले :
श्री अटल बिहारी वाजपेयी :
श्री काशी नाथ पाण्डेय :

क्या वैदेशिक-व्यापार तथा पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बहुत बड़ी मात्रा में भारतीय अभ्रक हांगकांग के मार्ग से चीन पहुंचता है ;

(ख) यदि हां, तो कितनी मात्रा में वह वहां पहुंचता है ; और

(ग) इसे रोकने के लिये क्या कार्यवाही की गई है ?

वैदेशिक-व्यापार तथा पूर्ति मंत्रालय में उप-मंत्री श्री (चौधरी राम सेवक) : (क) से (ग). हांगकांग, भारत तथा अन्य देशों से अभ्रक का आयात करता है । इन आयातों के एक अंश का मूल रूप से तथा तैयार माल के रूप में अन्य देशों को पुनः निर्यात किया जाता है । सरकार के पास ऐसा कोई साधन नहीं है जिससे यह अनुमान लगाया जा सके कि भारतीय अभ्रक की कितनी मात्रा चीन में पहुँच जाती है । निर्यातक देशों के लिए यह सम्भव नहीं है कि वे हांगकांग जैसे आयात-निर्यात केन्द्र द्वारा आयातित माल के पुनः निर्यात को विनियमित करने के लिये कह सकें ।

श्री बृज भूषण लाल : मंत्री महोदय ने कहा है कि हमारे पास कोई ऐसी जानकारी और इनफर्मेशन नहीं है जिससे हम अन्दाजा लगा सकें कि यह जो यहां से माइका एक्सपोर्ट हो रहा है अनआथोराइज्ड तरीके से, उसका कोई भी एस्टीमेट लगा सकें । मैं मंत्री महोदय की तवज्जह हिन्दुस्तान स्टैंडर्ड जो कि 22 दिसम्बर 1968 का है उसकी ओर दिलाना चाहता हूँ ।

> 12th Annual General Meeting of the Mica Export Promotion Council

हुई थी । यह 31 नवम्बर 1968 को हुई थी । उस में जो काऊंसिल के वाइस चैयरमैन श्री डी० राजगढ़िया हैं, उन्होंने

> "in his address strongly emphasised the need of stopping this unauthorised flow of Mica to Nepal."

यह उन्होंने उस मीटिंग में एमफेसाइज़ किया था । उन्होंने यह भी बताया था कि नेपाल हालांकि इस पोजीशन में नहीं था कि माइका का एक्सपोर्ट कर सके लेकिन नेपाल ने करीब दो टन माइका का 1968 के पहले तीन महीनों में एक्सपोर्ट किया । उसकी कैपेसेटी इतना एक्सपोर्ट करने की नहीं थी । मंत्री महोदय ने बताया है कि

उनके पास ऐसा कोई साधन नहीं हैं जिससे वह एस्टीमेट लगा सकें कि अनआथोराइज्ड फ्लो माइका का कितना होता है। मैं मंत्री महोदय का ध्यान इस एड्रैस की ओर जो कि उन्होंने 30 नवम्बर को दिया था, दिलाना चाहता हूं। इससे साफ जाहिर होता है कि नेपाल इस पोजीशन में नहीं था कि एक्सपोर्ट करे लेकिन फिर भी वहां से एक्सपोर्ट होकर माइका गया।

जहां तक इण्डियन माइका का सवाल है यह वर्ल्ड में बैस्ट समझा जाता है। मैं जानना चाहता हूं कि इस तरह से जो यह एक्सपोर्ट होता जा रहा है, इसको रोकने के लिए आप कौन से साधन अपनाने की बात सोच रहे हैं?

वैदेशिक व्यापार तथा पूर्ति मंत्री (श्री ब० रा० भगत) : हांगकांग में माइका हिन्दुस्तान से भी जाता है और 1967-68 में लगभग पंद्रह टन माइका यहां से निर्यात होकर हांगकांग गया। इसके अलावा दूसरे देशो से भी हांगकांग को माइका जाता है। हांगकांग से जो माइका चीन जाता है उसमें यह कहना मुश्किल है कि हिन्दुस्तान से जो माइका पंद्रह टन का पिछले साल गया उसका कितना हिस्सा चीन गया। इसका कारण यह है कि और भी कई देशों से माइका वहां जाता है।

जहां तक नेपाल का सम्बन्ध है और उसके द्वारा माइका भेजने की बात है यह शिकायत जरूर आई है कि यहां का माइका स्मगल होकर नेपाल के रास्ते बाहर जाता है। इसकी हम छानबीन कर रहे हैं और नेपाल सरकार से भी बात कर रहे हैं। उचित कार्यवाई भी करने की बात हम सोच रहे हैं।

श्री बृज भूषण लाल : इंडियन माइका को इस वक्त बड़े भारी संकट का सामना करना पड़ रहा है। इसका कारण यह है कि लोग इसको सिंथैटिक प्रोडक्ट करने की बात सोच रहे हैं; इस वास्ते हिन्दुस्तान का यह खयाल करना कि उसकी मौनोपोली हैं, गलत होगा। माइका सिवाय हिन्दुस्तान और मैडागासकर के और कहीं नहीं होता है। इस वास्ते यह खयाल करना कि हमारी मोनोपोली है आजकल के जमाने में गलत होगा। इसके सिंथेटिक प्रोडक्ट होने से रोकने के लिए और जो एक्सपोर्ट नेपाल को होता जा रहा है, इसको रोकने के लिए आप क्या उपाय कर रहे हैं?

श्री ब० रा० भगत : जैसा मैंने कहा है यहां से माइका हमारा गलत ढंग से स्मगल होकर दूसरी जगह न जाए, इसकी रोकथाम करने की हम कोशिश करते हैं और जो कुछ भी सूचना इसके बारे में मिलती है...

SHRI S. K. TAPURIAH : He was referring to switch trade.

SHRI B. R. BHAGAT : I am sorry, Sir, I have not been able to follow the question.

श्री रणजीत सिंह : घूम फिर कर बात वही तस्कर व्यापार पर चली आई है। मंत्री महोदय ने भी कहा है कि नेपाल से तस्कर व्यापार होता है। मंत्री महोदय को शायद मालूम होगा कि भारतवर्ष पूरे संसार का अस्सी प्रतिशत माइका पैदा करता है। यह भी स्वाभाविक है कि हांगकांग से जो माइका दुनिया भर से जाता है उसका कम से कम अस्सी प्रतिशत तो हमारे यहां से ही जाता होगा। जो वस्तुयें हांगकांग यहां से जाती हैं उसमें केवल माइका ही नहीं है। हांगकांग एक फ्री पोर्ट है, फ्री एरिया है और इस कारण से और भी चीजें जो वहां जाती हैं, उनको चीन द्वारा खरीद लिया जाता है। अपनी सारी कमी चीन वहां से पूरी करता है। यह केवल माइका की ही बात नहीं है अन्य धातुयें जो हैं, उनकी भी बात है, खनिज पदार्थों की भी बात है। इसके विषय में हमें पूरी जानकारी है कि यहां की ये धातुएं हांगकांग के जरिये चीन चली जाती हैं। मैं जानना चाहता हूं कि क्या

आप एक स्टडी टीम बिठा कर मामले की जांच करवायेंगे और अगर कोई ऐसी बात है कि हांगकांग से ये चीजें चीन जाती हैं तो हम क्यों न अपनी ट्रेड उसकेसाथबन्द कर दें ताकि हमारे शत्रु को हमारे ही जरिए हथियार न मिलें, हमें मारने के ?

श्री ब० रा० भगत : यह सही है कि हांगकांग दुनिया की एक फ्री पोर्ट होने के कारण जो माल वहां जाता है दुनिया के दूसरे देशों से वहां से उसका रीएक्सपोर्ट भी हो जाता है। माइका के बारे में ही नहीं बल्कि दूसरी चीजों का जिनका माननीय सदस्य ने उल्लेख किया है उनका भी हो जाता है। जहां तक माइका का सवाल है हमारे यहां से पंद्रह टन जैसा बताया गया है हांगकांग गया था। दुनिया भर में अस्सी परसेंट माइका हमारे यहां होता है और दुनिया भर में इसको एक्सपोर्ट किया जाता है। अगर वह माइका वहां पहुंचता है तो उस पर हम रोक नहीं लगा सकते हैं। यह सोचना कि अगर हांगकांग से हम ट्रेड ही सारी बन्द कर दें तो मैं बतलाना चाहता हूं कि हांगकांग के साथ हमारी बहुत सी ट्रेड हैं और इन सब बातों को देखते हुए हांगकांग के साथ ट्रेड बन्द करना हमारे राष्ट्रीय हितों में नहीं होगा।

श्री रणजीत सिंह : चीन को भेजना राष्ट्रीय हित में क्या है ?

श्री रामगोपाल शालवाले : नेपाल के जरिये तस्कर व्यापार होने के बारे में इस वक्त चर्चा चल रही है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या मंत्री महोदय को पता है कि बहुत बड़े पैमाने पर एक भूमिगत बीमा कम्पनी का निर्माण किया गया है भारत में जिस में पाकिस्तानी और कुछ पाकिस्तान के पठान भी शामिल हैं और वह भूमिगत बीमा कंपनी यहां के तस्कर व्यापारियों से मिली हुई है और जो माल तस्कर को भेजा जाता है उसका बाकायदा बीमा कराया जाता है और इस तरह से जहां चाहें माल को सुरक्षित पहुंचा दिया जाता है ? क्या इतनी बड़ी खबर का सरकार को पता नहीं है। आप ने कहा है कि आपको कोई पता नहीं हैं। मैं आज भरी सभा में पूछना चाहता हूं कि जनता में, बम्बई में, बाजार में तो इस बात की चर्चा है लेकिन आपको इसका कैसे पता नहीं है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या आप इसका पता लगाने का प्रबन्ध करेंगे और उचित कार्रवाई करेंगे ?

श्री ब० रा० भगत : यह तो फाइनेंस मिनिस्ट्री का सवाल है और उससे ही पूछना चाहिये। मेरे पास अभी इसकी कोई सूचना नहीं है।

श्री रामगोपाल शालवाले : आप तहकीकात करायेंगे, जांच कमीशन बिठायेंगे ?

श्री विभूति मिश्र : मैं नेपाल बार्डर पर रहने वाला हूं और जहां तक मैंने सुना है, जो लोग माइका निकालते हैं, उनके सगे सम्बन्धी सरहद पर, और नेपाल में भी, बसे हुए हैं और उनके द्वारा माइका को नेपाल में ले जाया जाता है। सुना है कि वहां से माइका को तिब्बत के रास्ते से भी चीन ले जाते हैं। मैंने यह भी सुना है कि वहां से डायरेक्ट हांगकांग को एक्सपोर्ट करते हैं। हिन्दुस्तान का माइका दुनिया में सब से ज्यादा मशहूर है। मैंने सुना है कि कस्टम्ज विभाग के कर्मचारी माइका के अलावा अन्य सामान भी हिन्दुस्तान से नेपाल भेजते हैं और नेपाल से हिन्दुस्तान मंगाते हैं और इस प्रकार उन्हें पांच हजार से दस हजार रुपये रोज की आमदनी है। इस हाउस में यह सवाल कई बार उठाया गया है। सरकार कहती है कि वह इस सम्बन्ध में कार्यवाही कर रही है। लेकिन हम देखते हैं कि जितनी कार्यवाही होती है, उतना ही दोनों तरफ से स्मगलिंग बढ़ता जाता है। प्रधान मंत्री जी भी बैठी हुई हैं। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या केन्द्रीय सरकार कोई ऐसी कार्यवाही करने जा रही है, जिस से नेपाल पर

होने वालेस्मगलिंग को एकदम रोक दिया जाये, वर्ना हिन्दुस्तान का व्यापार चौपट हो रहा है।

श्री ब० रा० भगत : हम हमेशा ऐसी कार्यवाही करने पर विचार करते हैं और ऐसी कार्यवाही की जाती है। लेकिन इस सम्बन्ध में ऐसा कोई इलाज नहीं है कि वह कर दिया जाये और ये सब कार्यवाहियां रुक जायें। हमने वहां हर नई कस्टम्ज पोस्ट्स बनाई हैं और हम वहां पर निगरानी करते हैं। वहां के अफसर कोई गलत काम न करें, हम इस बात की भी निगरानी करते हैं। हम एडमिनिस्ट्रेटिव तरीके से सब उपाय करने की कोशिश करते हैं। इसके इन बातों को रोकने का और कोई इलाज नहीं है।

SHRI P. GOPALAN : The international market for mica has considerably fallen down during the last few years, mainly because of the availability of a large number of substitutes for this. For example, while our total export of mica in 1960-61 was to the tune of 28 million kilograms, it has decreased to 23 million kilograms in 1967. So, if the mica which is exported to Hongkong finds its way to China, what is the harm ? If mica is strategically important, why is the same mica being directly exported to Pakistan ? Further more, if countries like Japan and West Germany, which have no diplomatic relations which China, can have trade relations with China, why can't we also have trade relations with China ?

SHRI B. R. BHAGAT : I am sorry, I could not follow the question.

MR. SPEAKER : We have trade relations with Japan and Germany and they have trade relations with China. How does it adversely affect our export trade of mica ?

SHRI B. R. BHAGAT : That is what I was saying. A number of countries with whom we have trade relations have trade relations with China. It is quite possible that some of the products which we export to these countries, for example mica, may go to China. But there is no way to prevent it.

SHRI P. GOPALAN : Sir, that is not my question. If Mica is strategically important why are we exporting it directly to Pakistan ? Secondly what is the harm in the mica which we export to Hongkong finding its way to China ? If countries like Japan and West Germany, which have no diplomatic relations with China, can have trade relations with China, why can't we also have trade relations with China if we have a good market for our products there ?

SHRI PILOO MODY : Because they are our enemies.

SHRI B. R. BHAGAT : There is no direct export of Indian mica to Pakistan. If some mica is smuggled into China from Hongkong, that is no reason why we should have trade relations with China. That is related to other political questions.

MR. SPEAKER : Next question.

SHRI P. GOPALAN : Sir, I want your protection. My question has not been fully answered.

MR. SPEAKER : It is not a debate.

SHRI P. GOPALAN : What the Minister says is not true.

MR. SPEAKER : It may not be true ; but this is not a discussion.

समवाय कार्य विभाग के सम्बन्ध में प्रशासनिक सुधार आयोग का प्रतिवेदन

+

*1683. **श्री ओम प्रकाश त्यागी :**
श्री राम स्वरूप विद्यार्थी :
कुमारी कमला कुमारी :
श्री नारायण स्वरूप शर्मा :

क्या प्रधान मंत्री 18 दिसम्बर, 1968 के तारांकित प्रश्न संख्या 818 के उत्तर के बारे में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या समवाय कार्य विभाग के सम्बन्ध में प्रशासनिक सुधार आयोग की सिफारिशों पर विचार कर लिया गया है ;